॥ नकार स्वरूप सद्योजात मुखं ॥

1 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य शिव नाथाय नमः॥

2 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य निर्लेपाय (निर्लोभाय) नमः॥

3 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य निर्मयाय नमः॥

4 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य निष्कलाय नमः॥

5 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य निर्मोहाय नमः॥

6 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य निर्मलाय नमः॥

7 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य निर्विकाराय नमः॥

8 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य निराभासाय नमः॥

9 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य निर्विकल्पाय नमः॥

10 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नित्यतृप्ताय नमः॥

11 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य निवृत्तकाय (निरवद्याय) नमः॥

12 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य निरुपद्रवाय नमः॥

13 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य निधीशाय नमः॥
14 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य निर्मय प्रियाय (निर्णय प्रियाय) नमः॥
15 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नित्य योगिने नमः॥
16 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नित्य शुद्धाय (नित्य सिद्धाय) नमः॥
17 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य निधीनां पतये नमः॥
18 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नित्य नियमाय नमः॥
19 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य निष्कारणाय नमः॥
20 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य निस्सङ्गाय नमः॥
21 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य निधि प्रियाय नमः॥
22 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नित्यभृतये (नित्य भूताय) नमः॥
23 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नित्य वस्तुने नमः॥
24 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नित्यानन्द गुरवे नमः॥
25 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नित्य कल्याणाय नमः॥

26 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य निधात्रे नमः॥
27 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य निरामयाय नमः॥
28 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नित्य योगि साक्षि प्रिय वादाय नमः॥
29 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नागेन्द्र सेविताय नमः॥
30 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नारदोपदेशकाय नमः॥
31 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नग्न रूपाय नमः॥
32 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नाना पाप ध्वंसिने नमः॥
33 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नाग पीठस्थाय नमः॥
34 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नादान्त गुरवे नमः॥
35 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नाग सुत गुरवे नमः॥
36 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नादसाक्षिणे नमः॥
37 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नागपाश हराय नमः॥
38 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नागास्त्र धराय नमः॥

39 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नटन प्रियाय नमः॥
40 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नन्दि ध्वंसिने नमः॥
41 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नवरत्न पादुका पादाब्जाय नमः॥
42 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नटेश प्रियाय नमः॥
43 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नव वैढूर्य हार केयूर कुण्डलाय नमः॥
44 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य निमिशात्मने नमः॥
45 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नित्य बुद्धाय नमः॥
46 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नमस्कार प्रियाय नमः॥
47 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नाद बिन्दु कला मूर्तये नमः॥
48 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नित्य कौमार वीर बाहवे नमः॥
49 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नित्यानन्द देशिकाय (नित्य मुक्तोपदेशकाय) नमः॥
50 ॐ नं सौं ईं नं ळं श्रीं शरवणभव हं सद्योजात हां हृदय ब्रह्म सृष्टि कारण सुब्रह्मण्य नकाराद्यन्त संपूर्णाय नमः॥

॥ अनेन नकार स्वरूपार्चनेन सद्योजात मुख श्री सुब्रह्मण्य स्वामि प्रीयतां ॥

॥ मकार स्वरूप वामदेव मुखं ॥

51 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा बलाय नमः॥

52 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महोत्साहाय नमः॥

53 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा बुद्धये नमः॥

54 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा बाहवे नमः॥

55 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा मायाय नमः॥

56 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा द्युतये नमः॥

57 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा धनुषे नमः॥

58 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा बाणाय नमः॥

59 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा खेटाय नमः॥

60 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा शूलाय नमः॥

61 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा धनुर्धराय नमः॥

62 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा मयूरारूढाय नमः॥

63 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महादेव प्रियात्मजाय नमः॥
64 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महासत्वाय नमः॥
65 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा सौम्याय नमः॥
66 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा शक्तये नमः॥
67 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा माया स्वरूपाय नमः॥
68 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महानुभावाय नमः॥
69 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा प्रभवे नमः॥
70 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महागुरवे नमः॥
71 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा रसाय नमः॥
72 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा रथारूढाय नमः॥
73 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा भागाय नमः॥
74 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा मकुटाय नमः॥
75 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा गुणाय नमः॥

76 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य मन्दार शेखराय नमः॥
77 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा हारय नमः॥
78 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा मातङ्ग गमनाय नमः॥
79 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा संगीतरसिकाय नमः॥
80 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य मधु पान प्रियाय नमः (महा शक्तिधराय नमः)॥
81 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य मधु सूदन प्रियाय नमः॥
82 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा प्रशस्ताय नमः॥
83 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा व्यक्तये नमः॥
84 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महावक्त्राय नमः॥
85 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा यशसे नमः॥
86 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा मात्रे नमः॥
87 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा मणि गजारूढाय नमः॥
88 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महात्मने नमः॥

89 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा हविषे नमः॥
90 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महिमाकाराय नमः॥
91 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा मार्गाय नमः॥
92 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य मदोन्मत्त भैरव पूजिताय नमः॥
93 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा वल्ली प्रियाय नमः॥
94 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य मन्दार कुसुम प्रियाय नमः॥
95 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य मन्दार कुसुम प्रियाय नमः (मदनाकार वल्लभाय नमः)॥
96 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य मांसाकर्षणाय नमः॥
97 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य मण्डलत्रय वासिने नमः॥
98 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा भोगाय नमः॥
99 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य महा सेनान्ये नमः॥
100 ॐ मं सौं ईं नं ळं ह्रीं रवणभवश हिं वामदेव हीं शिरसि विष्णु स्थिति कारण सुब्रह्मण्य मकाराद्यन्त संपूर्णाय नमः॥

॥ अनेन मकार स्वरूपार्चनेन सद्योजात मुख श्री सुब्रह्मण्य स्वामि प्रीयतां ॥

॥ शिकार स्वरूप अघोर मुखं ॥

101 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शिवानन्द गुरवे नमः॥

102 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शिव सच्चिदानन्द स्वरूपाय नमः॥

103 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शिखण्डि मण्डल पूजिताय (वासाय) नमः॥

104 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शिव प्रियाय नमः॥

105 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शरवणोणोद्भूताय नमः॥

106 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शिव शक्ति वदनाय नमः॥

107 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शंकर प्रिय सुताय नमः॥

108 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शूर पद्मासुर द्वेषिणे नमः॥

109 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शूर पद्मासुर हन्त्रे नमः॥

110 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शूराङ्ग ध्वंसिने नमः॥

111 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शुक्ल रूपाय नमः॥

112 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शुद्धायुध धराय नमः॥

113 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शुद्ध वीर प्रियाय नमः॥
114 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शुद्ध वीर युद्ध प्रियाय नमः॥
115 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शुद्ध मानसिक निलयाय नमः॥
116 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शून्य षट्क (सङ्ग) वर्जिताय नमः॥
117 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शुद्ध तत्व संपूर्णाय नमः॥
118 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शङ्ख चक्र कुलिश ध्वज रेखाङ्घ्रि पङ्कजाय नमः॥
119 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शुद्ध योगिनि गण धात्रे नमः॥
120 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शुद्धाङ्गना पूजिताय नमः॥
121 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शोक पर्वत दंष्ट्राय नमः॥
122 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शुद्ध रण प्रिय पण्डिताय नमः॥
123 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शरभ वेगायुध धराय नमः॥
124 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शाकिनी डाकिनी सेवित पादाब्जाय नमः॥
125 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शङ्ख पद्म निधि सेविताय नमः॥

126 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शत सहस्रायुध धर मूर्तये नमः॥
127 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शिव पूजित मानसिक निलयाय नमः॥
128 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शिव दीक्षा गुरवे नमः॥
129 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शूर वाहनाधिरूढाय नमः॥
130 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शोक रोगानिवारकाय नमः॥
131 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शुचये नमः॥
132 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शुद्धाय नमः॥
133 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शुद्ध कीर्तये नमः॥
134 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शुचिश्रवसे नमः॥
135 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शक्तये नमः॥
136 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शत्रु क्रोध विमर्दनाय नमः॥
137 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य श्वेत प्रभाय नमः॥
138 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य श्वेत मूर्तये नमः॥

139 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य श्वेतात्मकाय नमः॥
140 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शारण कुलान्तकाय नमः॥
141 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शतमूर्तये नमः॥
142 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शतायुधाय नमः॥
143 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शरीर त्रय नायकाय नमः॥
144 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शुभ लक्षणाय नमः॥
145 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शुभाशुभ वीक्षणाय नमः॥
146 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शुक्ल शोणित मद्यस्थाय नमः॥
147 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शुण्डादण्ड फूत्कार सोदराय नमः॥
148 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शून्य मार्ग तत्पराय नमः॥
149 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शाश्वताय
150 ॐ शिं सौं ईं नं ळं क्लीं वणभवशर हुं अघोर हूं शिखा रुद्र संहार कारण सुब्रह्मण्य शिकाराद्यन्त संपूर्णाय नमः॥

॥ शिकार स्वरूपार्चनेन अघोर मुख श्री सुब्रह्मण्य स्वामि प्रीयतां ॥

॥ वकार स्वरूप तत्पुरुष मुखं ॥

151 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वल्ली मानस हंसिकाय नमः॥

152 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य विष्णवे नमः॥

153 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य विदुषे नमः॥

154 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य विद्वद् ज्जन प्रियाय नमः॥

155 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वेगायुध धराय नमः॥

156 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वेग वाहनाय नमः॥

157 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वामदेव मुखोत्पन्नाय नमः॥

158 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य विजयकर्त्रे नमः॥

159 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य विश्व रूपाय नमः॥

160 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य विन्ध्य स्कन्दाद्रि नटनाय नमः॥

161 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य विष्व भेषजाय नमः॥

162 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वीर शक्ति मानस निलयाय नमः॥

163 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य विमलासनोत्कृष्टाय नमः॥
164 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वाग्देवी नायकाय नमः॥
165 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वौ षडन्त संपूर्णाय नमः॥
166 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वाचाम गोचराय नमः॥
167 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वासना गन्ध द्रव्य प्रियाय नमः॥
168 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वाद बोधकाय नमः॥
169 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वाद विद्या गुरवे नमः॥
170 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वायु सारथ्य महा रथा रूढाय नमः॥
171 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वासुकी सेविताय नमः॥
172 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वातुलागम पूजिताय नमः॥
173 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य विधि बन्धनाय नमः॥
174 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य विश्वामित्र मख रक्षिताय नमः॥
175 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वेदान्त वेद्याय नमः॥

176 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वीरागम सेविताय नमः॥
177 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वेद चतुष्टय स्तुताय नमः॥
178 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वीर प्रमुख सेविताय नमः॥
179 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य विश्व भोक्त्रे नमः॥
180 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य विशांपतये नमः॥
181 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य विश्व योनये नमः॥
182 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य विशालाक्षाय नमः॥
183 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वीर सेविताय नमः॥
184 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य विक्रमोपरि वेषाय नमः॥
185 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वरदाय नमः॥
186 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वरप्रदानां श्रेष्ठाय नमः॥
187 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वर्धमानाय नमः॥
188 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वारिसुताय नमः॥

189 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वानप्रस्थ सेविताय नमः॥
190 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य विष्णु ब्रह्मादि प्रमुख सेविताय नमः॥
191 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वीर बाह्वादि नव वीर सेविताय नमः॥
192 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वीरायुध समावृताय नमः॥
193 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वीर शूर विमर्दनाय नमः॥
194 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य व्यासादि मुनि पूजिताय नमः॥
195 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य व्याकरणादि शास्त्र नवोत्कृष्टाय नमः॥
196 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य विश्वतोमुखाय नमः॥
197 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वासवादि पूजित पादाब्जाय नमः॥
198 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वसिष्ठ हृदयांबोज निलयाय नमः॥
199 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वञ्चितार्थ प्रदाय नमः॥
200 ॐ वां सौं ईं नं ळं ऐं णभवशरव हें तत्पुरुष हैं कवच महेश्वर तिरोभव कारण सुब्रह्मण्य वकाराद्यन्त संपूर्णाय नमः॥

॥ वकार स्वरूपार्चनेन तत्पुरुष मुख श्री सुब्रह्मण्य स्वामि प्रीयतां ॥

॥ यकार स्वरूप तत्पुरुष मुखं ॥

201 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य योगी हृत्पद्म वासिने नमः॥

202 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य याज्ञिक वर्तिने नमः॥

203 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यजनादि षट्कर्म तत्पराय नमः॥

204 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यजुर्वेद स्तुताय (स्वरूपाय) नमः॥

205 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यजुषे नमः॥

206 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यज्ञेषाय (यज्ञश्रिये)नमः॥

207 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यज्ञ गम्याय (श्रिये) नमः॥

208 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यज्ञ राज्ञे (महते) नमः॥

209 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यज्ञ पतये नमः॥

210 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यज्ञ मयाय (फलप्रदाय) नमः॥

211 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यज्ञ भूषणाय नमः॥

212 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यज्ञ फलदाय (यमाद्यष्टाङ्ग साधकाय) नमः॥

213 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यज्ञाङ्ग भुवे नमः॥
214 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यज्ञ भूताय नमः॥
215 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यज्ञसंरक्षिणे नमः॥
216 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यज्ञ पण्डिताय नमः॥
217 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यज्ञ विध्वंसिने नमः॥
218 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यज्ञ मेष गर्व हराय नमः॥
219 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यजमान स्वरूपाय नमः॥
220 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यमाय नमः॥
221 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यमधर्म पूजिताय नमः॥
222 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यमाद्यष्टाङ्ग साधकाय नमः॥
223 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य युद्ध गम्भीराय नमः॥
224 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य युद्ध हरणाय नमः॥
225 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य युद्ध नाथाय (शत्रु भयङ्कराय) नमः॥

226 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य युगान्तकृते नमः॥
227 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य युगावृत्ताय नमः॥
228 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य युग नाथाय नमः॥
229 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य युग धर्म प्रवर्तकाय नमः॥
230 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य युगमाला धराय नमः॥
231 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य योगिने नमः॥
232 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य योग वरदाय नमः॥
233 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य योगिनां वरप्रदाय नमः॥
234 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य योगीशाय नमः॥
235 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य योगानन्दाय नमः॥
236 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य योग भोगाय नमः॥
237 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य योगाष्टाङ्ग साक्षिणे नमः॥
238 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य योग मार्ग तत्पर सेविताय नमः॥

239 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य योगयुक्ताय नमः॥
240 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य योग पुरुषाय नमः॥
241 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य योग निधये नमः॥
242 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य योग विदे नमः॥
243 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य योग सिद्धिदाय (युग प्रलय साक्षिणे) नमः॥
244 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य युद्ध शत्रु (शूर) भयङ्कराय (मर्दनाय) नमः॥
245 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य युद्ध शोक मर्दनाय (योन्या मार्ग तत्पराय) नमः॥
246 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यशस्विने नमः॥
247 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यशस्कराय नमः॥
248 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यन्त्रिणे नमः॥
249 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यन्त्र नायकाय नमः॥
250 ॐ यं सौं ईं नं ळं सौं भवशरवण हों ईशान हौं नेत्रत्रय सदा शिवानुग्रह कारण सुब्रह्मण्य यकाराद्यन्त संपूर्णाय नमः॥

॥ यकार स्वरूपार्चनेन तत्पुरुष मुख श्री सुब्रह्मण्य स्वामि प्रीयतां ॥

॥ अकारादि क्षकारान्त मातृकाक्षर स्वरूप अधो मुखं ॥

251 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य अं अस्त्र शिवास्त्र पाशुपत वैष्णव ब्रह्मास्त्र धृते नमः॥

252 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य आं आनन्द सुन्दराकाराय नमः॥

253 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य इं इन्द्राणी माङ्गल्य रक्षिताय नमः॥

254 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य ईं ईषणत्रय वर्जिताय नमः॥

255 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य उं उमासुताय नमः॥

256 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य ऊं ऊर्ध्वरितस्सुताय (स्तुताय)नमः॥

257 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य ऋं ऋणत्रय विमोचनाय नमः॥

258 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य ॠं ऋतंभरात्म ज्योतिषे नमः॥

259 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य लृं लृप्ताचार मनोरमाय नमः॥

260 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य ॡं ॡतभाव पाश भेदिने (प्रपञ्चनाय) नमः॥

261 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य एं एणाङ्गद सत्पुत्राय नमः॥

262 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य ऐं ऐशान पद सन्दायिने नमः॥
263 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य ओं ओंकारार्थ श्रीमद्गुरवे नमः॥
264 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य औं औन्नत्य प्रदायकाय नमः॥
265 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य अं अस्त्र कुक्कुट क्षुरिका वृषभ शुद्धास्त्र धराय नमः॥
266 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य अः अद्वैत परमानन्द चित्विलास महानिधये नमः॥
267 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य कं कार्य कारण निर्मुक्ताय नमः॥
268 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य खं खण्डेन्दुमौळि तनयाय नमः॥
269 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य गं गद्य पद्य प्रतिज्ञाय नमः॥
270 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य घं घन गम्भीर भूषणा ढ्याय नमः॥
271 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य ङ्ं ङ्काराकारक द्वन्द्व सर्वसन्ध्यात्म चिन्मयाय नमः॥
272 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य चं चिदानन्द महा सिन्धु मध्य रत्न शिखा मणये नमः॥

273 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य छं छेदिताशेशदैत्यौघाय नमः॥
274 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य जं जरामरणनिवर्तकाय नमः॥
275 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य झं झल्लरी वाद्य सुप्रीताय नमः॥
276 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य ञं ज्ञानोपदेश कर्त्रे नमः॥
277 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य टं टंन्किताखिल लोकाय नमः॥
278 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य ठं ठकार मध्य निलयाय नमः॥
279 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य डं डङ्कनद प्रियाय नमः॥
280 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य ढं ढाळितासुर कुलान्तकाय (सङ्कुलाय) नमः॥
281 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य णं णबिन्दु त्रय वन्मध्य बिन्द्वाश्लिष्ट द्विवल्लिकाय (णगम्याय) नमः॥
282 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य तं तुम्बुरु नारदार्चिताय नमः॥
283 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य थं स्थूल सूक्ष्म प्रसदर्षकाय नमः॥
284 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य दं दान्ताय (दण्ड पाणये) नमः॥

285 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य धं धनुर्बाणनाराचाद्यस्त्र धराय नमः॥
286 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य नं निष्कण्ठकाय नमः॥
287 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य पं पिन्डी पाल मुसल खड्ग खेटक धराय नमः॥
288 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य फं फणी लोक विभूषणाय नमः॥
289 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य बं बहु दैत्य विनाशकाय नमः॥
290 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य भं भक्त सालोक सारूप्य सामिप्य सायुज्य दायिने नमः॥
291 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य मं महा शक्ति शूल गदा परशु पाशांकुश धृते (महापद्मासुर भागधेय ग्रासाय) नमः॥
292 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य यं यन्त्र मन्त्र तन्त्र भेदिने नमः॥
293 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य रं रजस्सत्व गुणान्विताय नमः॥
294 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य लं लोकातीत गुणोपेताय (लंबोदरानुजाय) नमः॥
295 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य वं विकल्प परिवर्जिताय नमः॥

296 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य शं शङ्ख चक्र कुलिश ध्वज धराय नमः॥
297 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य षं षट्चक्रस्थाय नमः॥
298 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य सं सर्व मन्त्रार्थसर्वज्ञत्व मुख्य बीज स्वरूपाय नमः॥
299 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य हं हृदयांबोज मध्य विराज व्योम नायकाय नमः॥
300 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य ळं लोकैक नाथाय (सर्व शत्रु नाशकाय) नमः॥
301 ॐ नमः शिवाय सौं ईं नं ळं श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौः वशरवणभ हं अधो मुख हः अस्त्र परब्रह्म पञ्च कृत्य कारण सुब्रह्मण्य क्षं एक पञ्च दशाक्षर संपूर्णाय नमः॥

॥ अकारादि क्षकारान्त मातृकाक्षर स्वरूपार्चनेन अधो मुख श्री सुब्रह्मण्य स्वामि प्रीयतां ॥